मोटापे को रोका जा सकेगा

ताज़ा शोध से लगता है कि एक वायरस शरीर में वसा को बढ़ाने में मददगार होता है। वैसे, अन्य शोधकर्ता अभी भी अड़े हुए हैं कि ज़्यादा खाना खाने और कसरत न करने के कारण ही मोटापा बढ़ता है। देखें ऊंट किस करवट बैठता है...

मोटापे के लिए अत्यधिक खाना खाने की आदत को नहीं बल्कि एक वायरस को दोष देना चाहिए। यह कुछ अटपटा लगता है लेकिन नवीन शोध से पता चला है कि एक संक्रामक वायरस लोगों को मोटा कर देता है। पता यह चला है कि सामान्य जुकाम के वायरस से सम्बंधित एडिनोवायरस-36 वसीय स्टेम कोशिकाओं को फ्लैब (यानी ढीली-ढाली वसा की थैलियों) में बदल देता है।

लुइसियाना विश्वविद्यालय के निखिल धुरंधर और उनके साथियों ने यह पता लगाया है कि जंतुओं में वसा बढ़ने का कारण एडिनोवायरस-36 और इस के जैसा एक और वायरस एस.एम.ए.एम.-1 होता है। 30 प्रतिशत अत्यधिक मोटे और 11 प्रतिशत सामान्य वज़न के लोगों में उन्होंने पाया कि इस एडिनोवायरस-36 के खिलाफ एंटीबाडीज़ पहले से ही उपस्थित थी। वैसे इस शोध में सबसे बड़ी रुकावट यह है कि इसके लिए किसी व्यक्ति पर इस प्रकार का प्रयोग नहीं किया जा सकता क्योंकि यह नैतिकता के खिलाफ है।

मेग्डालिना पसारिका भी इस पर शोध कर रही हैं। उन्होंने बताया कि एक तरीका यह है कि मनुष्यों में लाइपोसक्शन के दौरान जो वसा निकाली जाती है उस पर प्रयोग किया जाए। पसारिका ने इस वसा में से स्टेम कोशिकाएं अलग करके उन्हें एडिनोवायरस-36 से संक्रमित कराया। इससे कोशिकाएं वसा से फूल गईं। यानी यह वायरस वसा को बढ़ाने में मददगार होता है। यह निष्कर्ष अमेरिकन केमिकल सोसायटी की मीटिंग में प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्यों की स्टेम कोशिकाओं पर किसी और वायरस का ऐसा कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

पसारिका मोटापा फैलाने वाले एडिनोवायरस-36 के

खिलाफ एक टीका बनाने या एंटीवायरल दवा के द्वारा उसे खत्म करने के प्रयास में लगी हैं। उन्होंने एक एंटीवायरल दवा 'सीडोफोविर', जो एड्स के इलाज में और आंखों में संक्रमण होने पर दी जाती है, को चूहों में प्रविष्ट कराया तो पाया कि मोटापा बढ़ने की प्रक्रिया रुक गई।

धुरंधर ने बताया है कि ऐसा पशुओं में तो निश्चित रूप से होता है लेकिन मनुष्यों के बारे में यह कहना फिलहाल ज़ल्दबाजी होगी।

फिलहाल अन्य शोधकर्ता अभी भी इस पर ज़ोर दे रहे हैं कि ज़्यादा खाना खाने और कसरत न करने के कारण ही मोटापा बढ़ता है। जैसे, लंदन स्थित हैमरस्मिथ हॉस्पिटल के स्टीव ब्लूम भी मोटापे पर ही खोज कर रहे हैं। उनका कहना है कि, "वायरस की भूमिका हो सकती है, लेकिन मैं यह नहीं मानता कि मोटापा बढ़ने का कारण सिर्फ वायरस है।" दूसरी ओर, डेनमार्क स्थित कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ता एरनै एस्ट्रप कहते हैं कि, "जब तक कोई ठोस प्रमाण प्राप्त न हो जाए, इसके बारे में ज़्यादा कुछ कहा नहीं जा सकता। हम चाहते हैं कि वैक्सीन बनाने से पहले कोई ठोस प्रमाण मिल जाए।" ***(स्रोत विशेष फीचर्स)***